भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3004

18 दिसम्बर, 2025 को उत्तर दिये जाने के लिए

एससीएम में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों की भूमिका

+3004. श्री कामाख्या प्रसाद तासाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) स्मार्ट शहर मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और सभी स्मार्ट शहरों में परिचालन में आ गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सभी स्मार्ट शहरों में आईसीसीसी के परिचालनकरण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) ये आईसीसीसी शहरी चुनौतियों की वास्तविक समय पर निगरानी और सक्रिय प्रबंधन हेतु किस प्रकार प्रभावी रूप से उपयोग किए जा रहे हैं; और

(घ) आईसीसीसी से प्राप्त विशिष्ट डेटा-चालित अंतर्दृष्टियाँ समग्र शहरी लचीलापन और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता में सुधार हेतु संसूचित शहरी योजना और नीति निर्णयों को तैयार करने में किस प्रकार उपयोग की जा रही हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) जी हां, एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्रों (आईसीसीसी) ने स्मार्ट सिटी मिशन के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन आईसीसीसी को सभी स्मार्ट शहरों में परिचालनरत किया गया है। यह केंद्र गतिशीलता, जलापूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सार्वजनिक सुरक्षा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में वास्तविक समय में निगरानी, डेटा-संचालित निर्णय और एकीकृत सेवा प्रदायगी द्वारा शहरी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ख) स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, सभी 100 स्मार्ट शहरों में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) संचालित किए गए हैं। यह केंद्र गतिशीलता, जलापूर्ति, स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट

प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे प्रमुख क्षेत्रों में वास्तविक समय में निगरानी, डेटा-संचालित निर्णय और एकीकृत सेवा प्रदायगी द्वारा शहरी प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

(ग) आईसीसीसी शहर के संचालन के लिए तंत्र केंद्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं, जो वास्तविक समय में निगरानी, डेटा-संचालित निर्णय और शहरी सेवाओं के सक्रिय प्रबंधन को सक्षम बनाते हैं। ये केंद्र यातायात प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, जलापूर्ति, स्ट्रीट लाइटिंग, सार्वजनिक सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों जैसे विभिन्न शहरी डोमेन में डेटा को एकीकृत करते हैं। जिन प्रमुख क्षेत्रों में आईसीसीसी का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा रहा है, उनमें यातायात और गतिशीलता प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, आपातकालीन और आपदा प्रतिक्रिया, नागरिक शिकायत निवारण, सार्वजनिक सुरक्षा और निगरानी आदि शामिल हैं।

(घ) शहरी नियोजन और नीतिगत निर्णयों को सूचित करने के लिए आईसीसीसी से प्राप्त डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि का अधिक से अधिक लाभ उठाया जा रहा है, जिससे शहरी अनुकूलता बढ़ेगी और नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा। विशिष्ट उदाहरणों में इंटेलिजेंट यातायात प्रबंध प्रणाली (आईटीएमएस) का उपयोग, यातायात प्रबंधन और प्रवर्तन के लिए स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर), कुशल ठोस अपशिष्ट संग्रह के लिए जीपीएस-आधारित मार्ग इष्टतमीकरण, सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने के लिए चेहरे की पहचान हेतु प्रणाली और बड़ी सभाओं का प्रबंधन करने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भीड़ निगरानी प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। ये उपकरण शहर स्तर पर साक्ष्य-आधारित शासन को सक्षम बनाते हैं, परिचालन दक्षता में सुधार करते हैं और सक्रिय निर्णय लेने में सहायता करते हैं।

******